

न्यायालय सहायक कलक्टर (एस0डी0ओ0) जायल जिला नागौर
बडजलास श्री सुरेश कुमार प्रथम आर0ए0एस0

राजस्व वाद संख्या- 33/2019

1. शिवकरण पुत्र अमराराम, जाति बावरी, उम्र वयस्क,
2. गणाराम पुत्र अमराराम, जाति बावरी, उम्र वयस्क,
3. उगमाराम पुत्र अमराराम, जाति बावरी, उम्र वयस्क,
निवासीगण भावला, तहसील जायल, जिला नागौर

.....वादीगण

बनाम

1. अमराराम पुत्र भोलाराम, जाति बावरी, उम्र वयस्क,
2. प्रेमी पुत्री अमराराम, जाति बावरी उम्र वयस्क,
3. जसोदा पुत्री अमराराम, जाति बावरी उम्र वयस्क,
4. नौरती पुत्री अमराराम, जाति बावरी उम्र वयस्क,
5. सम्पत पुत्री अमराराम, जाति बावरी उम्र वयस्क,
6. सरकार जरिये तहसीलदार जायल

.....प्रतिवादी

वाद अन्तर्गत धारा 53 व 88 आर0टी0एक्ट 1956

उपस्थित अधिवक्ता-

- 1- श्री शैलेन्द्रसिंह कालवी एडवोकेट वादीगण की और से।
- 2- श्री रामप्रकाश येन्दा प्रतिवादीगण संख्या 1 से 5 की और से
- 3- प्रतिवादी संख्या 6 के ईकतरफा कार्यवाही है।



:: निर्णय ::

दिनांक -28.08.2019

वाद के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि वादीगण ने यह वाद पत्र पेश कर निवेदन किया कि वादीगण सभी सगे भाई है। प्रतिवादी संख्या 1 इनका पिता है। तथा प्रतिवादीगण संख्या 2 से 5 इनकी बहने है। इन सब की संयुक्त खातेदारी की पुरतैनी भूमियां मीजा भावला तहसील जायल में खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा अन्य भूमियों के साथ आई हुई है। लेकिन कर्ता खानदान होने से राजस्व रिकॉर्ड में अकेले

सहायक कलक्टर (एस.डी.ओ.)
जायल, जिला नागौर

प्रतिवादी संख्या 1 का नाम आ गया है। इसलिए दावा घोषणा खातेदारी के लिए पेश किया जा रहा है।

अब पक्षकारान ने घरेलू तौर पर अपनी भूमियों का विभाजन कर लिया है जिसके अनुसार वादी संख्या 1 शिवकरण के बंट में मौजा भावला तहसील जायल के खेत खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा में से बीघा का 5.19 बीघा रखा है। वादी संख्या 2 मानाराम के बंट में वादग्रस्त भूमि मौजा भावला तहसील जायल के खेत खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा में से पश्चिमी 5.19 बीघा भाग रखा है। तथा वादी संख्या 3 उगमाराम के बंट में वादग्रस्त भूमि मौजा भावला तहसील जायल के खेत खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा में से पूर्वी 5.19 बीघा भाग रखा है। वादी संख्या 3 के हिस्से के कटाणी मार्ग लगता है जिससे वादीगण संख्या 1 व 2 के बंट के हिस्से में जाने का रास्ता रहेगा। प्रतिवादी संख्या 2 से 5 के बंट में इस खेत में से कोई बंट नहीं रखा है क्योंकि उनके बंट में अन्य भूमियां जो प्रतिवादी संख्या 1 के नाम दर्ज हैं उसमें से हिस्सा रखा है। लेकिन वह भूमि अभी रहन है इसलिए उसे दावा में शामिल नहीं किया है। लेकिन इस विभाजन का अमल दरामद राजकीय रेकॉर्ड में नहीं हुआ है इसलिए यह दावा वास्ते विभाजन के लिए पेश किया जा रहा है। तथा राज्य सरकार ऐसे दावों में आवश्यक पक्षकार होने से तहसीलदार जायल को भी पक्षकार बनाया है।

इस पर वाद वादी रजिस्टर किया गया। प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तैलब किया गया। प्रतिवादीगण संख्या 1 से 5 की और से श्री रामप्रकाश वेन्दा एडवोकेट ने वकालतनामा पेश किया तथा जबाब देना नहीं चाहा तथा वाद को स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं होना जाहिर किया। तहसीलदार जायल बागजूद तागील गैर हाजिर रहने से उनके विरुद्ध ईकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। प्रकरण में वाद को कोई विरोध किसी पक्षकार द्वारा नहीं होने के कारण तनकीयात कायम करने की आवश्यकता नहीं है। इस कारण प्रकरण में विवादक विन्दु तय नहीं किये। साक्ष्य में वादी संख्या 1 का शपथ पत्र पेश किया तथा दरतावेजी साक्ष्य में नकल खतोनी प्रदर्श 1 तथा 2 प्रदर्श करके साक्ष्य बंद की। प्रकरण में वादी के वकील की बहस सुनी गई। वकील वादी ने वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए वाद को डिकी करके राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हेतु तहसीलदार जायल को तहसीर जारी करने का अनुरोध किया। पत्रावली का अवलोकन किया गया। वकील वादी की बहस पर मनन किया गया। वाद पत्र तथा पत्रावली पर उपलब्ध दरतावेजों से यह प्रकट होता है, कि वादग्रस्त भूमि मौजा भावला तहसील जायल में खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा पक्षकारान की पुरतैनी सहखातेदारी की भूमि है। तथा इसका विभाजन पक्षकारान ने कर लिया है तथा विभाजन के अनुसार रेकॉर्ड में अमल नहीं हुआ है। इस स्थिति में मेरी राय में वादीगण का वाद स्वीकार करने योग्य होने से स्वीकार करने योग्य है। अतः प्रस्तुत वाद वादी की इस्तादुआ के अनुसार निम्न प्रकार से डिकी किया जाता है :-

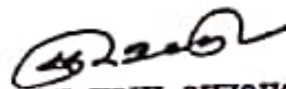
1. कि वादग्रस्त भूमि मौजा भावला तहसील जायल में खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा पक्षकारान की संयुक्त खातेदारी की भूमि है।
2. कि इस भूमि का विभाजन करते हुए:-


पक्षकार कलक्टर (एच.डी.ओ.)
जायल जिलानागौर

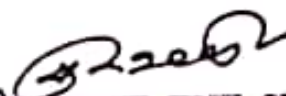
1. वादी संख्या 1 शिवकरण के बंट में मौजा भावला तहसील जायल के खेत खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा में से बीच का 5.19 बीघा भाग घोषित किया जाता है।
2. कि वादी संख्या 2 मानराग के बंट में मौजा भावला तहसील जायल के खेत खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा में से पश्चिमी 5.19 बीघा भाग घोषित किया जाता है।
3. कि वादी संख्या 3 उगमाराम के बंट में वादग्रस्त भूमि मौजा भावला तहसील जायल के खेत खसरा नं. 688/72 रकबा 17.17 बीघा में से पूर्वी 5.19 बीघा भाग घोषित किया जाता है।
4. कि वादी संख्या 3 के हिस्से के कटाणी मार्ग लगता है जिससे वादीगण संख्या 1 व 2 के बंट के हिस्से में जाने का रास्ता रहेगा।

:: आदेश ::

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर वाद वादीगण का स्वीकार किया जाकर डिक्री किया जाता है। इसी माफिक डिक्री पत्रा भरा जाकर तहसीलदार जायल को राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हेतु तहसीर जारी हो।


 सुरेश कुमार प्रथम आर०ए०एस०
 सहायक फलकूट (एस.डी.ओ.)
 जायल, जिला नागौर

निर्णय आज दिनांक 28.08.2019 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


 सुरेश कुमार प्रथम आर०ए०एस०
 सहायक फलकूट (एस.डी.ओ.)
 जायल, जिला नागौर